

## बिजली /तड़ित और बज्रपात

तड़ित/बज्रपात के दौरान कई लोग मरते या घायल होते हैं | कई बार ऐसी घटनाएँ सामने आयी कि बज्रपात के समय टेलीफोन का इस्तेमाल करने से बिजली के झटके लगते हैं ऐसे में बज्रपात के दौरान निम्नलिखित सावधानियाँ ध्यान में रखें :-

### तुरंत कार्यवाही करें

- बिजली मिस्त्री से सलाह ले कर घर में तड़ित-चालक लगवाएँ |

### अगर आप बाहर हो (बज्रपात के समय)

- अगर आपको बिजली चमकने के 10 सेकेण्ड के बाद गर्जन सुनाई देती है तो इसका मतलब है कि वो आपसे 3 कि० मी० दूर है | अतः तुरंत ही सुरक्षित आश्रय ढूँढें |

### अगर आप घर के अंदर हो :-

- आँधी आने के पहले टीवी, रेडियो, और कंप्यूटर सभी का मोडेम और पॉवर प्लग निकाल दें |
- सारे पर्दे लगा दें | खिड़कियां बंद रखें | बिजली से चलने वाली वस्तुओं का इस्तेमाल ना करें |
- टेलीफोन का इस्तेमाल ना करें | आपातकाल में फोन करें पर विधुत चालक वस्तुओं को ना छुएँ | खाली पैर फर्श या जमीन पर ना खड़े रहें |

### प्राथमिक उपचार:-

- झटके लगने के दौरान तुरंत हृदय के पास मालिश करें, और मुँह द्वारा पुनरुज्जीवन क्रिया करें | ऐसा तब तक करते रहें जब तक कि कोई मदद ना पहुंचे |(आपको रोगी से बिजली नहीं लगेगी)

➤ बज्रपात के कुछ तथ्य और कुछ गलत धारणाएँ :-

- जब किसी पर बिजली गिरती है तो वो जलता नहीं बल्कि उसके हृदय और श्वास नली पर असर होता है
- करीबन 30% लोग जिस पर बज्रपात होता है मरते हैं | अगर प्राथमिक उपचार सही समय पर दिया जाए तो लंबी बीमारी की संभावना भी बहुत कम हो जाती है |
- अगर आपके कपड़े गीले हैं तो आप पर बज्रपात का उतना असर नहीं होगा क्योंकि आवेगित चार्ज कण गीले कपड़े से गुजर जाएगा ना कि शरीर से |
- एक ही जगह पर बज्रपात कई बार हो सकता है |